राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

बी.ए. प्रथम वर्ष

सामान्य हिन्दी

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

नोटः– इस प्रश्नपत्र में प्राप्त अंकों को श्रेणी निर्धारण हेतु नहीं जोड़ा जायेगा।
प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे–1. साहित्य खण्ड 2. व्याकरण खण्ड
साहित्य खण्ड में दो भाग होंगे– गद्य भाग एवं पद्य भाग

साहित्य खण्ड (गद्य–पद्य) 48 अंक

गद्य भाग

1. प्रेमचन्द – नमक का दारोगा (कहानी)
2. महादेवी – प्रणाम (संस्मरण)
3. बनारसी दास चतुर्वेदी – बाईस वर्ष बाद (रेखाचित्र)
4. गुणाकर मुले – शनि सबसे सुन्दर ग्रह (विज्ञान)
5. सरदार पूर्णसिंह – आचरण की सभ्यता (विचारात्मक निबंध)
6. हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव (व्यंग्य)
7. भारत भूषण अग्रवाल – महाभारत की एक सांझ (एकांकी)
8. रामचन्द्र शुक्ल – उत्साह (ललित निबंध)

पद्य भाग

1. कबीर – 20 साखियां, कबीर ग्रंथावली – सं. डॉ. श्यामसुन्दरदास
   (i) गुरूदेव कौ अंग – 3,11,12,22 –(साखी नं.)
   (ii) बिरह कौ अंग – 5,11,31,32 – ''
   (iii) करणी बिन कथनी – 5 – ''
   (iv) भ्रम बिधौंसण कौ अंग – 10 – ''
   (v) भेष कौ अंग – 5, 12 – ''
   (vi) कुसंगति कौ अंग – 1, 7 – ''
   (vii) कस्तूरिया मृग कौ अंग – 1 – ''
   (viii) चितावनी कौ अंग – 1 – ''
   (ix) साध कौ अंग – 1 – ''
   (x) उपदेश कौ अंग – 9 – ''
   (xi) काल कौ अंग – 1, 4 – ''
2. सूरदास– वात्सल्य वर्णन, सूरसागर –दशम स्कन्ध पद संख्या– 43,75,99,108,249,344
3. तुलसीदास – कवितावली सं. रामचन्द्र शुक्ल–नागरी प्रचारिणी सभा
   (1) पुरतें निकसी रघुबीर बधू (2) जल को गए लक्खन
   (3) वनिता बनी स्यामल गौर (4) रानी मैं जानी अजानी
   (5) सीस जटा उर बाहुविसाल (6) सुनि सुंदर बैन सुधारस साने

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

4. रहीम – 10 दोहे रहीम ग्रंथावली–पं. विद्यानिवास मिश्र

(1) प्रीतम छवि नैनन बसी (2) बसि कुसंग चाहत कुसल
(3) रहिमन अंसुना नयन ढरि (4) रहिमन ओछे नरन सो
(5) रहिमन निजमन की व्यथा (6) काज परै कछु और है
(7) रहिमन धागा प्रेम का (8) पावस देखि रहीम मन
(9) रूठे सुजन मनाइये, जो रूठे सौ बार (10) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सबसून

5. मैथिली शरण गुप्त– मातृभूमि, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे
6. सुमित्रानंदन पंत– भारतमाता, पावस ऋतु में पर्वत प्रदेश
7. दिनकर – रश्मिरथी (तृतीय सर्ग से)
   (सच है, विपत्ति जब आती है.....क्या कर सकती है चिनगारी)
8. नागार्जुन– अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है।

गद्य व पद्य दोनों को एक ही पाठ्य पुस्तक में संकलित किया जाएगा।

(ब) व्याकरण खण्ड

1.	निबंध लेखन (विकल्प देय एवं शब्द सीमा 300 शब्द)	8 अंक
2.	कार्यालयी पत्र / अर्द्धशासकीय पत्र / परिपत्र / ज्ञापन / विज्ञप्ति / निविदा	4 अंक
3.	संक्षेपण	4 अंक
4.	पल्लवन	4 अंक
5.	उपसर्ग, संधि, प्रत्यय, समास	4 अंक
6.	वाक्य शुद्धि / शब्द शुद्धि	4 अंक
7.	मुहावरे / लोकोक्तियाँ	4 अंक
8.	पारिभाषिक शब्दावली	4 अंक
9.	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण(व्यावहारिक पक्ष)	4 अंक
10.	शब्द युग्मों का अर्थ भेद	4 अंक
11.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	4 अंक
12.	पर्यायवाची / विलोम शब्द	4 अंक
		कुल 52 अंक

अंक विभाजनः–

कुल चार व्याख्या	2 गद्य भाग से	2 x 5 = 10	
	2 पद्य भाग से	2 x 5 = 10	
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न			
	2 गद्य भाग से	2 x 7 = 14	
	2 पद्य भाग से	2 x 7 = 14	कुल 48 अंक

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर (राज.)

अवधि : 3 घंटे | बी.ए. प्रथम वर्ष | पूर्णांक : 100

हिन्दी साहित्य : प्रथम प्रश्न पत्र

आदिकाल एवं भक्तिकाल

पाठ्यांश :-

1. विद्यापति :-
   (1) नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरूतरे
   (2) सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया
   (3) विरह व्याकुल बकुल तरूतर
   (4) कुंज भवन से चलि भेलि हे
   (5) सरिव हे कतहुं न देखि मघाई (विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह)
2. कबीर दास :- 25 साखियाँ, 7 पद
   (1) गुरूदेव कौ अंग - 1,24,28,30,33-(साखी नं.)
   (2) सुमिरण कौ अंग- 4,7,8,27,30 - ''
   (3) बिरह कौ अंग- 3,10,14,18,35 - ''
   (4) परचा कौ अंग- 3,17,32,45 - ''
   (5) मन कौ अंग- 20,24,26 - ''
   (6) माया कौ अंग- 11,15,30 - ''
   पद संख्या - 1,2,16,23,40,43,64 (कबीर ग्रंथावली सं. श्याम सुन्दरदास)
3. जायसी- नागमती संदेश खण्ड (360 से 369 तक)
   (जायसी ग्रंथावली - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
4. सूरदास :-
   (i)विनय के पद
   (1) मेरो मन अनत कहां सुख पावै
   (2) अविगत गति कछु समझ न आवै
   (3) अब कै राखि लेहु गोपाल
   (4) छांडि मन हरि विमुखन को संग
   (5) अब हौं नाच्यौ बहुत गोपाल
   (ii) मुरली महिमा:-
   (1) माई री मुरली अति गर्व काहु
   (2) मुरली तऊ गोपालहिं भावति
   (iii) गोकुल लीला:-
   (1) हरि मुख निरखत नैन भुलाने
   (2) बूझत स्याम कौन तू गोरी
   (3) चितवन रोके हु न रही
   (iv) भ्रमर गीत
   (1) आयो घोष बडो व्यापारी
   (2) निर्गुण कौन देस को वासी
   (3) ऊधो, मन नाहीं दस बीस
   (4) निसिदिन बरसत नैन हमारे
   (5) ऊधो, मोहि ब्रज बिसरत नाहीं

सभी पद सूरदास कृत 'सूरसागर' से संकलित

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

5. गोस्वामी तुलसीदास :– विनय पत्रिका सं. वियोगी हरि
पद संख्या 41,105,115,124,161,162,174
2 कवितावली:–
1. अवधेस के द्वारे सकारे गई
2. दूलह श्री रघुनाथ बने
3. कीर के कागर ज्यों नृप चीर
4. इहि घाट ते थोरिक दूर अहै
5. उदधि अपार उतरत नाहिं लागी बार
6. बालधी विसाल विकराल
7. खेती न किसान को
8. धूत कहो अवधूत कहो
कवितावाली – गीता प्रेस, गोरखपुर
6. मीरांबाई – पद सं. 1,3,4,5,14,15,28,31,35,45,74,78,79,81,94
(मीरा मुक्तावली – सं. नरोत्तम स्वामी)
7. रसखान:– सवैया संख्या 1,2,3,5,7,11,18,21,25,27,31,32,34,37,41
रसखान रचनावली –सं. विद्यानिवास मिश्र
2. नन्ददास– भंवरगीत (समग्र)
3. आदिकाल एवं भक्तिकाल का इतिहास
4. (i) शब्द शक्तियाँ – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
(ii) छंद एवं अलंकार :– छंद – चौपाई, दोहा, सवैया, कवित्त, कुण्डलिया, वंशस्थ, वसन्त तिलका, मंदाक्रांता, मालिनी, द्रुत विलम्बित
(iii) अलंकार – अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, श्लेष, यमक, उदाहरण, दृष्टांत, असंगति, विरोधाभास, विभावना, व्यतिरेक, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति

अंक विभाजन:–

1. व्याख्या :	दो व्याख्या संकलन से	2 x 7 = 14
	दो व्याख्या भंवरगीत से	2 x 7 = 14
	आन्तरिक विकल्प देय	
2. आलोचनात्मक प्रश्न :	दो प्रश्न संकलन से	2 x 10 = 20
	दो प्रश्न भंवरगीत से	2 x 10 = 20
	आन्तरिक विकल्प देय	
3. चार लघूत्तरात्मक प्रश्न		
(आदिकाल व भक्तिकाल के इतिहास से)		4 x 4 = 16
4. शब्द शक्तियाँ		06
5. छंद–अलंकार		10

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

बी.ए. प्रथम वर्ष

हिन्दी साहित्य : द्वितीय प्रश्न पत्र

कथा साहित्य

अवधि 3 घंटे पूर्णांक – 100

पाठ्यांशः–

1. कहानियाँ :– चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
   प्रेमचन्द – पूस की रात
   विश्वनाथ शर्मा कौशिक – ताई
   जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार
   जैनेन्द्र – पाजेब
   यशपाल – परदा
   फणीश्वर नाथ रेणु – पंचलाइट
   उषा प्रियंवदा – वापसी
   रांगेय राघव – गदल
   विजयदान देथा – उजाले के मुसाहिब
2. उपन्यास – महाभोज : मन्नू भंडारी
3. हिन्दी कहानीः परिभाषा, तत्व, प्रकार, उद्‌भव एवं विकास
4. हिन्दी उपन्यासः परिभाषा, तत्व, प्रकार, उद्‌भव एवं विकास

अंक विभाजन :–

1. दो व्याख्या कहानियों से – 2 x 7 = 14
   दो व्याख्या उपन्यास से – 2 x 7 = 14
2. आलोचनात्मक प्रश्न :–
   दो प्रश्न कहानियों से – 2 x 10 = 20
   दो प्रश्न उपन्यास से – 2 x 10 = 20
3. चार लघूत्तरात्मक प्रश्न तीसरी इकाई से
   (शब्द सीमा – 50 शब्द) – 4 x 4 = 16
4. चार लघूत्तरात्मक प्रश्न चौथी इकाई से
   (शब्द सीमा – 50 शब्द) – 4 x 4 = 16

सभी व्याख्या व प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प देय होगा।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम